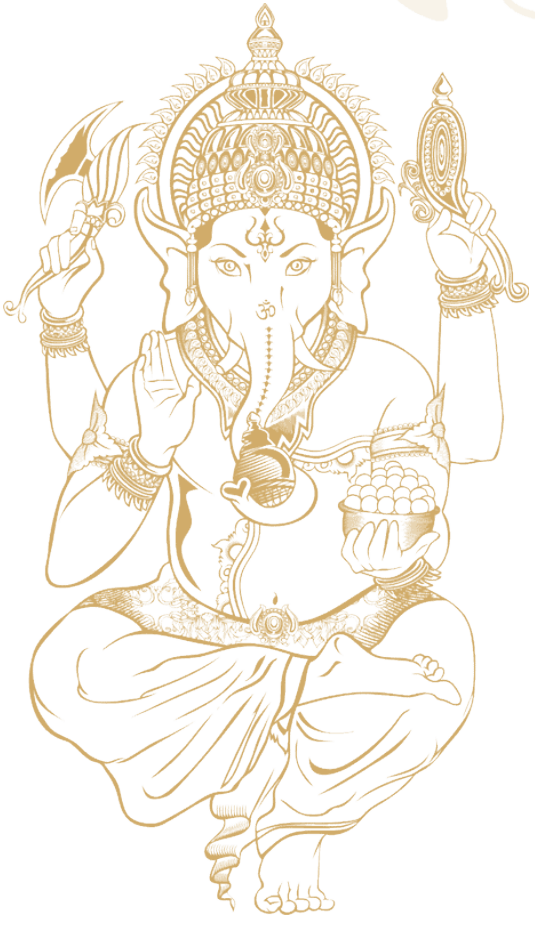

Vaibhav Jain

05 Jul 2013

02:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121195502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/07/2013**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:00:00 घंटे**
इष्ट	21:18:46 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:35 घंटे
साम्पातिक काल	08:32:52 घंटे
सूर्योदय	05:28:29 घंटे
सूर्यास्त	19:22:42 घंटे
दिनमान	13:54:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	19:26:15 मिथुन
लग्न के अंश	09:21:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	09:21:21	311:01:12	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
सूर्य			मिथु	19:26:15	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	सम राशि
चंद्र			वृष	17:22:45	11:49:33	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	00:21:54	00:41:04	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मिथु	26:21:44	00:33:29	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	स्वराशि
गुरु			मिथु	08:04:03	00:13:37	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	15:13:10	01:12:40	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		तुला	10:46:33	00:00:17	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		तुला	21:22:31	00:04:18	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:22:31	00:04:18	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मीन	18:24:38	00:00:36	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	---
नेप	व		कुंभ	11:07:11	00:00:51	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	16:09:28	00:01:31	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
दशम भाव			कर्क	11:48:01	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:57

लग्न-चलित

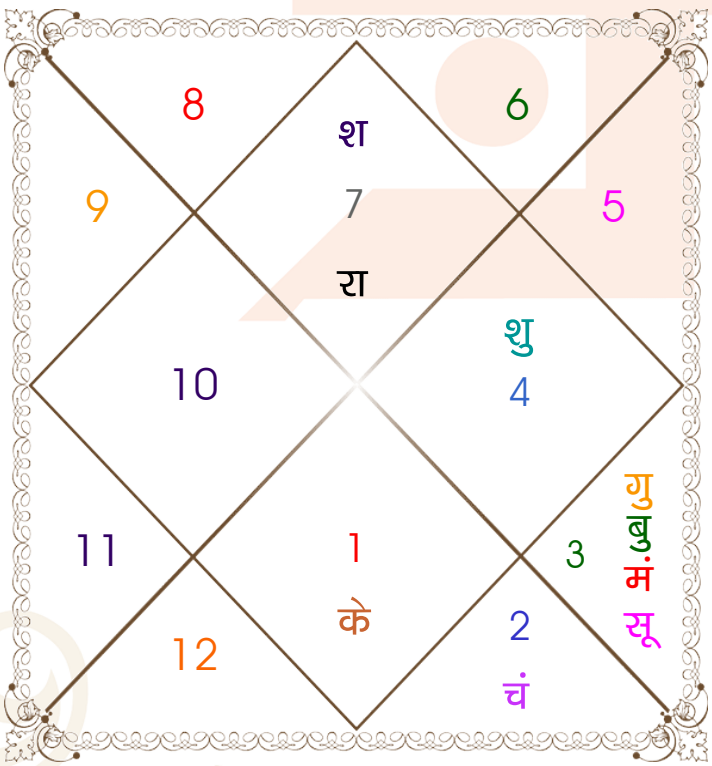

चन्द्र कुंडली

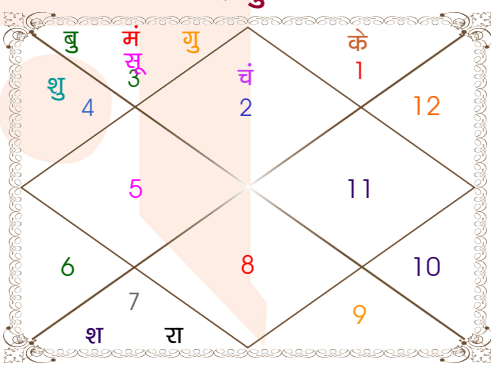

नवमांश कुंडली

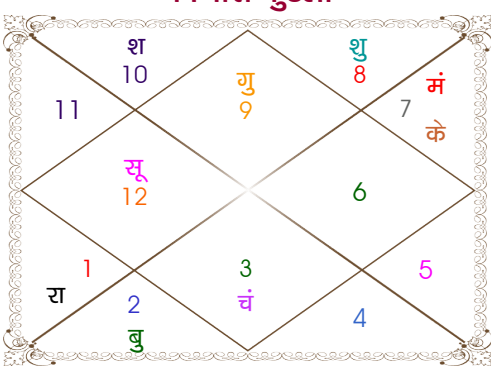

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 5 मास 17 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/07/2013		22/12/2017		22/12/2024		22/12/2042		22/12/2058	
22/12/2017		22/12/2024		22/12/2042		22/12/2058		22/12/2077	
	00/00/0000	मंगल	20/05/2018	राहु	04/09/2027	गुरु	09/02/2045	शनि	25/12/2061
	00/00/0000	राहु	08/06/2019	गुरु	28/01/2030	शनि	23/08/2047	बुध	03/09/2064
	00/00/0000	गुरु	14/05/2020	शनि	04/12/2032	बुध	28/11/2049	केतु	13/10/2065
	05/07/2013	शनि	22/06/2021	बुध	23/06/2035	केतु	04/11/2050	शुक्र	13/12/2068
शनि	22/10/2013	बुध	20/06/2022	केतु	11/07/2036	शुक्र	05/07/2053	सूर्य	25/11/2069
बुध	24/03/2015	केतु	16/11/2022	शुक्र	11/07/2039	सूर्य	23/04/2054	चंद्र	26/06/2071
केतु	23/10/2015	शुक्र	16/01/2024	सूर्य	04/06/2040	चंद्र	23/08/2055	मंगल	04/08/2072
शुक्र	22/06/2017	सूर्य	23/05/2024	चंद्र	04/12/2041	मंगल	29/07/2056	राहु	11/06/2075
सूर्य	22/12/2017	चंद्र	22/12/2024	मंगल	22/12/2042	राहु	22/12/2058	गुरु	22/12/2077

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
22/12/2077		22/12/2094		23/12/2101		23/12/2121		24/12/2127	
22/12/2094		23/12/2101		23/12/2121		24/12/2127		00/00/0000	
बुध	20/05/2080	केतु	21/05/2095	शुक्र	24/04/2105	सूर्य	12/04/2122	चंद्र	23/10/2128
केतु	17/05/2081	शुक्र	20/07/2096	सूर्य	24/04/2106	चंद्र	11/10/2122	मंगल	24/05/2129
शुक्र	17/03/2084	सूर्य	24/11/2096	चंद्र	24/12/2107	मंगल	16/02/2123	राहु	23/11/2130
सूर्य	21/01/2085	चंद्र	26/06/2097	मंगल	22/02/2109	राहु	11/01/2124	गुरु	24/03/2132
चंद्र	23/06/2086	मंगल	22/11/2097	राहु	22/02/2112	गुरु	29/10/2124	शनि	06/07/2133
मंगल	20/06/2087	राहु	10/12/2098	गुरु	23/10/2114	शनि	11/10/2125		00/00/0000
राहु	06/01/2090	गुरु	16/11/2099	शनि	23/12/2117	बुध	18/08/2126		00/00/0000
गुरु	13/04/2092	शनि	26/12/2100	बुध	23/10/2120	केतु	23/12/2126		00/00/0000
शनि	22/12/2094	बुध	23/12/2101	केतु	23/12/2121	शुक्र	24/12/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 5 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव के उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखते हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकते हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि के श्रद्धावान हो सकते है। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगे। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहते हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

आप निश्चय पूर्वक धनी होंगे। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगे। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शक नहीं करेंगे कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखते हैं। परंतु आप अपनी पत्नी के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगे। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपनी पत्नी एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगे।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगे। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगे। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरूदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी। आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगे। आप अपने अच्छी शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि के प्राणी होंगे।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करता है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगे। आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।